(कविता)
मुझे समझाया गया

मुझे समझाया गया

मुझे समझाया गया

कि ज़्यादा बोलना ज़रूरी नही होता,

समझदार लोग

कम कहते हैं।

मुझे समझाया गया

कि पढ़ाई ज़रूरी है,

पर बहस नही।

कि आत्मनिर्भर बनो,

पर अकेली नही।

मुझे समझाया गया

कि देर रात बाहर रहना

ठीक नही लगता।

कि हर फैसला

सबको बता कर लेना चाहिए।

मुझे समझाया गया

कि अगर अब कुछ गलत हो रहा है,

तो बदलने की नही,

समझौते की ज़रूरत है।

मैंने अपनी बात

धीरे कहनी सीख ली।

अपने सवाल

डर के लिए छोड़ दिए।

अपने सपनों को,

समय पर सोने भेज दिया।

किसी ने मुझे रोका नही।

बस हर बार

ये समझा दिया गया

कि अभी सही समय नही है।

आज भी

खुद को चुनना

सीधा नही लगता।

मेरे भीतर

बहुत कुछ बोलता है

और मेरी आवाज़

अब भी

सबसे आख़िर में।

अंकिता कुमारी
अँग्रेजी विभाग
2024-28
240563